



सुवादयन्तु ॥ ॐ ॥

श्रीहरथि शायनमो श्रीगंगा शायनमो श्रीसारदादेव्यै नमः

आशा मरुकाथि

१११

AGNA ARCHIVES

मङ्ग ॥ ४ ॥ अं नमो सर्वतथागते हृदयजन्मगत ॥ अंक २ गिनी स्वाहा
॥ ॥ अं ७ धानायाय ध्वनं काटिऊ मंसं या नाया पाय भोवनरुप ॥
॥ ५ ॥ अं नमो सहाय त्वं दुःखं काय सर्वं हृदि निरुक्तं उरु कुरु गायक २
तथागताय ॥ ॥ अं १००० धकवानायाय ध्वनं काटिऊ मंसं या नाया पाय भोवनरुप ॥
काटिऊ ॥ ७ ॥ अं नमो चंद्रमधुलविष्वधयमानं तथागताय ॥

धकवानायाय ध्वनं काटिऊ मंसं या नाया पाय भोवनरुप ॥ ७ ॥ अं नमो सर्वतथागते हृदयजन्मगत ॥
किरुसवित्रादिनमः कुरु संरुवयुरुकुरु गायक तथागताय ॥ ॥
धकवानायाय ध्वनं काटिऊ मंसं या नाया पाय भोवनरुप ॥ ८ ॥ अं नमो
रुगवतः ॥ काटिऊ मंसं या नाया पाय भोवनरुप ॥ ॥ धकवानायाय ध्वनं काटिऊ मंसं या नाया पाय भोवनरुप ॥
नामस्तु ॥ अंक निरुक्तया धीवधकं वसु मनि कयक सुकृन्म इति

ॐ ॥ २ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ धकवा नायायूधं काठिस
हृद्यकमसं या नायायनास ॥ १० ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ धकवा नायायूधं
गालियनथागनाय ॥ ॥ धकवा नायायूधं नं चक्रविया नायायनास ॥ ३
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ धकवा नायायूधं नं चक्रविया नायायनास ॥ ३
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ धकवा नायायूधं नं चक्रविया नायायनास ॥ ३
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ धकवा नायायूधं नं चक्रविया नायायनास ॥ ३

ॐ ॥ १२ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ धकवा नायायूधं नं चक्रविया नायायनास ॥ ३
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ धकवा नायायूधं नं चक्रविया नायायनास ॥ ३
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ धकवा नायायूधं नं चक्रविया नायायनास ॥ ३
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ धकवा नायायूधं नं चक्रविया नायायनास ॥ ३
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ धकवा नायायूधं नं चक्रविया नायायनास ॥ ३

गताया इह न सम्यक् वेदाय ॥ ॥ धकवा नाया य धन सा न सं यतीः
दयका या या प ना स ॥ १५ ॥ ॐ नमो रुगवत्य नवनवलि ना सम्यक् वेदका
ठिनां यूरुगारु सह आनां गंग नदिवा नूकानां गथगत का ती ना ॥ ४
धकवा नाया य धन ही सा या नाया या प ना स ॥ १६ ॥ ॐ नमो रुगवत्य म
हा प्रत्न उद्दिष न रु गथ गताया इह न सम्यक् वेदाय ॥ ॥ धकवा नाया

दुर्गति स ऊ न्म रु थि अ म ष ॥ १७ ॥ ॐ नमो रुगवत् धर्म समुद्र सर्व स
ध धन रु थ गताया इह न सम्यक् वेदाय ॥ ॥ धकवा नाया य धन
नं गु प्र या ऋ दा ह या नाया या प ना स ॥ १८ ॥ ॐ नमो रुगवत् अ य क रु
ग स ध न रु थ गताया इह न सम्यक् वेदाय ॥ ॥ धकवा नाया य धन
नं ज न रु थ व य स रु थ न ना या य ग रु थ ॥ १९ ॥ ॐ नमो रुगवत्

एव सर्वरुथागरु विहत्रनिस्मः ॥ २० ॥ ओं आ ४ हि स न नायकस्यात्मकः प्रियसाय
नवजधायः सुधिवकल्यरुदः समूः ॥ ओं नमवायानुकूलः सर्वसीद्धीपुथ ॥
ॐ नमः ॥ ॥ गुण्याधायसि ॥ २१ ॥ ओं वक्राधमहाश्रीकृष्णकनमर्थरु
रुद्रं रुद्र ॥ ॐ यमोक्तकृष्णमहाकाठहयः गृवहं नृ २ हं रुद्र ॥ २२ ॥ ओं वज्र

किलिकिलायः सर्ववीगनत्वहं रुद्र ॥ ओं श्रीगुरुकृष्णनशीहं नृक गुरुकृष्णनका
टिभ्यनित्त्वं मम आगिनी नृ नृ २ हं रुद्र ॥ ॐ ४ वज्रवंध सर्वदृष्टानदे रुद्र ॥
ओं वज्रमहा नृ सर्वसिद्धिहं रुद्र ॥ ॐ श्री ४ यमानककृष्णवज्रकाधहयगृवहं नृ २
हं रुद्र ॥ ॥ कामदवामधुनमंज ॥ २३ ॥ ओं सर्वरुथागरु उद्धीषधधुमि
मि स्वाहा ॥ ओं रुथागरु धधु हि रु धि रु जं द्विहं स्वाहा ॥ ॥ नगनरुय ॥

॥ २४ ॥ ॐ नमो भगवते चवं सर्वं नमः नमः विहसं नृदकं दुधं जयि यनः
आगमाया इह नमः सम्यक् वदन्नाय नमः ॥ २५ ॥ ॐ आजीमय यजुः स्वात्मकं
दियसाय नव ऊष्मा तुलसुक्ति कल्प रुडे नमः वा नानूक र सर्वसीधीय यक्त
इहं ह्यं हं रुट् ॥ ॐ आकार काय मातृ ह नमः थरु रुट् रुट् स्वाहा ॥ ॐ यस्मात्क
युक्त महाकाध हय गृव हं रुट् रुट् स्वाहा ॥ ॐ वज्र किलि किलाय सर्वविध न

वृंहं रुट् ॥ ॐ गुं कस्तान काटि स्वली स्वं नमः थगिनि नृदं रुट् ॥ ॐ व ४ ऊव भ
सर्वदृष्टान नं रुट् रुट् स्वाहा ॥ ॐ वज्र सर्वदृष्टान नं रुट् ॥ ॐ वज्र सर्वदृष्टान नका
दृष्टय गी व हं रुट् ॥ ॥ कामद वाम भुज मनु ॥ २७ ॥ ॐ वज्र महागुप्त सर्व
सिद्धि हं रुट् रुट् स्वाहा ॥ ॐ दीप स्मात्क कुरु वज्र काध हय गृव हं रुट् रुट् ॥ का
मद वाम भुज मनु ॥ २८ ॥ ॐ सर्वं नमः नमः उक्ती यधु मिनि स्वाहा ॥ ॐ सर्व

रथगगनधनु विरुचिर्न अभिष्टिर्न ह्येष्टस्वाहा ॥ ॥ धमनुवानाया प्रजा
जन आकासवाजिनं गायामह ॥ २९ ॥ ओं ह गवान वे प्राचन हं ॥ ओं अक्षा
र्य हं ॥ ओं वा प्रत्न सरुव हं ॥ ओं ग्रा नमृगा हं ॥ ओं आ जमा घसिद्धि हं ॥
॥ नि पंच वृक्ष वाधिस हं ॥ ३० ॥ ओं आ वृक्ष वीय सिद्धं ॥ ओं आ सिद्धि हं ॥
ओं आ विस्वरुव हं ॥ ओं क कृच्छुन हं ॥ ओं आ कनक मूनि हं ॥ ओं आ कास्य

हं ॥ ओं आ साक् मूनि हं ॥ ॥ ॥ नि सफ वृक्ष नाम ॥ ३१ ॥ ओं आ र्य वत्स किरुस
प्र हं ॥ ओं आ र्य मे ही हं ॥ ओं आ कास गार् हं ॥ ओं आ सम नु हं ॥ ओं आ व ऊया
धि हं ॥ ओं आ मरु शी कृमा नु हं ॥ ओं आ सर्व निवर्ष विष्कं हि हं ॥ ओं आ कि कि ग
रु हं ॥ ओं आ सर्व निवर्ष विष्कं हि हं ॥ ओं आ कि कि गार् हं ॥ ॥ नि सफ वृक्ष नाम
म ॥ ॥ ओं नमो साक् मूनि रथगगाया हं नमो साक् मूनि रथगगाया ॥ नमो ॥ ओं मूनि २

महासूनि साकमूनय स्वाहा ॥ ॥ उत्तमेशावक साकमूनि हृदये ॥ ३२ ॥
ॐ नमो गवतः अक्षयः कथा गताया इह न संस्य क्वं वृक्षय ॥ कथं च ॥ ॐ कं क
नि २ प्राच नि २ वि प्राच नि २ संज नि २ य नि ह न ह न २ सर्व कर्म पा ना नि सर्व
स्त्वाना च ३ स्वाहा ॥ ॥ धर्म नाम ज्ञा साध्या धा वनी ॥ २३ ॥ ॐ नमो गवतः
रुं खर्य गुनर्वद्वयः परक तु गताया इह न संस्य क्वं वृक्षय ॥ क

प्रथम ॥ ॐ रुं खर्य २ महा रुं यर्यः यस्मि रुं यर्यः शुभं यर्यः गतः समू गतः स्वा
हा ॥ ॥ रुं यर्यः यात्रा नि ॥ ३३ ॥ ॐ नमो गवतः अप्रिमिताय ज्ञान
सू वि नि चि रु न का गताया इह न संस्य क्वं वृक्षय ॥ कथं च ॥
ॐ यस्मि २ महा यस्मि अप्रिमिताय ज्ञान सहाय य वि
न ॥ ॐ सर्व संस्कार य वि शुद्ध धर्म नः गगन समू गतः स्वाहा वि शुद्ध महा

नययत्रिवाग्रस्वाहा ॥ अयनिमीलारुगवानयाजस्तु नाम ॥ ३५ ॥ ओं गय
था ॥ रुं वरुं २ महा रुं वरुं नाकमूनियस्वाहा ॥ ॥ ध्वरुं वरुं याना मस्तु
नाया अ ॥ उभसविय को न सा थु निवान ॥ ३६ ॥ ओं मशि यो दू ॥ ओं वा गि श्वयि
दू ॥ ओं वज्र पा शि दू ॥ ओं अय य च उ न धि दू ॥ ओं वा क द न मा ॥ ओं व ह म हा वा
ख न दू रु दू ॥ ओं मा न ह नु ना ज नु न स्वाहा ॥ ओं मा नी च मा स्वाहा ॥ ओं पि श्व च

य ध्व शर्व त्रि सर्व आ व य म न स्वाहा ॥ ओं य या उ ह्वि य वि म ल दू ॥ ॥ ध्व नि म
लु वान सा लू खा स क ल सा लू ला य रु य म दू ॥ ३७ ॥ ओं मशि ध नि व डि नि म
हा यु नि स न ॥ व क २ मा दू रु दू स्वाहा ॥ ओं अ मृ क अ मृ क व न २ य व ल वि षु दू
दू दू रु दू स्वाहा ॥ ओं अ मृ रु वि लो की नि ग रु सं न रु नी आ क र्प दू दू रु दू स्वाहा ॥
ॐ वि म ल व स वि पू र ज य वा हि नि अ मृ रु दू दू रु दू स्वाहा ॥ ओं रु न २ व ह्वि य

[illegible]

नां मूदिमाः उयकाः स्वमकुवांनाडाइजसाः क्रसक्रसयननं नाडायनिः सूध
गनः जगति संजन्मइयमाल ॥ ३९ ॥ ॐ नमो मङ्गल्योयनम ४ युथीयनम
४ उरुमं प्रययसाहा ॥ ॥ अधकवांनादं दउरया नसाः दोलच्छियांना
पमान ॥ ४० ॥ ॐ नमो रुगवतः बलकुरुनाजाय कथगताया हर्नं सम्बलं व
वजाय ॥ रुधथ ॥ ॐ जले २ महाबल विजय स्वाहा ॥ ॐ नमो दशदिक्कालः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ दयै देव सर्वपापविमोक्षनिस्त्राहा ॥ ॥ धर्मिवा नानं
दशालक्षिचाउलाया नक्षिचाउयमानं नक्षिचमान ॥ ४१ ॥ ॐ विष्णु
गुरुमनीयता ॥ गुरुथा ॥ अगुरुनिदधनमधि २ सूरुचिमलमार्गजग ॥
हि नद २ कल २ वद्विशाकीरुगुरुस्मृधिचिरुगुरुस्त्राहा ॥ ॥ धर्मि
वानसा जय नारु अरु नलद ॥ ४२ ॥ ॐ सतिवज्रद ॥ ॥ हृदयकल

॥ ४३ ॥ ॐ सतिधनिद ॥ ॥ धि नरु ॥ ४४ ॥ ॐ वचनूद ॥ ॥ मनवाचा
चाथिसिद्धिरुयि ॥ ४५ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नद
रुकिरु वृत्तिमिभिनिसि २ लिनय २ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ धर्मि
नि २ मिलिनि २ अलकि २ दसुलि २ पुयस्त्राहा ॥ ॥ धर्मि
स्त्राहा ॥ ४६ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ धर्मि

धिप्रदं स्वप्रल ॥ ॥ अष्टाष्टममरुतीयासूत्रमनु ॥ वा ना अथ
 अष्टाष्टममरुतीयासूत्रमनु ॥ वा ना अथ
 सा नं ॥ अष्टाष्टममरुतीयासूत्रमनु ॥ वा ना अथ
 ना अथ ॥ अष्टाष्टममरुतीयासूत्रमनु ॥ वा ना अथ
 कपनि ॥ अष्टाष्टममरुतीयासूत्रमनु ॥ वा ना अथ

१२

पदं दशयि ॥ ॥ अष्टाष्टममरुतीयासूत्रमनु ॥ वा ना अथ
 नमो गवने सर्वदुर्गवियत्रिस्वधननाजायकथागताया इदं न सम्यक्कं व
 द्याय ॥ अथ ॥ अष्टाष्टममरुतीयासूत्रमनु ॥ वा ना अथ
 र्वकर्मार्थेन विस्वधनस्वाहा ॥ अथ मस्त्रीयविमलं ॥ अष्टाष्टममरुतीयासूत्रमनु ॥ वा ना अथ
 ॥ अष्टाष्टममरुतीयासूत्रमनु ॥ वा ना अथ

सियवसः वानाङ्गुयानवाक्सां सर्वपापनासः **चैन्नरुनवाधिहानवा**
यु ॥ **यस्य कवधधायक इडा ॥ ४७ ॥** **ओं किं ॥** **धम इष्टीया यका कनवा**
वाये वानसा सर्वपापं जहतीया कर्मनास ॥ ४८ ॥ **ओं इडा १ इडा विद्युत् १३**
अग्निविनवसः धनं लभते ॥ **ओं विनसी २ स्वाहा ॥** **॥ ध्वनाया यधन**
मयनं सख्याकसां लगयम इष्टीया लगयं इडा मयः सर्ववाधिकृष्टका

माचन इष्टीया ॥ ४९ ॥ **ओं यधमा स्वादि ॥** **॥ धम रुवानाथासः कल्यानवः**
विनरुनं सैरु क इष्टीया ॥ ५० ॥ **ओं सिगात पञ्च जय याजिकं सर्वपहा जस्य**
हन २ इडा २ इडा स्वाहा ॥ **॥ महायनि गिना या नास धावती ॥ ५१ ॥** **ओं च**
मज महाका धायः इल २ तिष्ठ २ वन्ध २ हन २ कृम २ इडा स्वाहा ॥
वजगा गिनी आग धावति ॥ ५२ ॥ **ओं गा वं रुक्मान रुम मम जय पृथक् स्वा**

नमोऽस्तु कृत्वा ॥ ॥ सप्तमः च निनामध्यात्रिणि ॥ ५३ ॥ ॐ नमः
स्वर्गधामनगजवलाकिने ॥ ॐ संहरदं ॥ ५४ ॥ महाधूय यनथ स पुका स
यायमने ॥ ५४ ॥ ॐ नमो वज्रसागत्रयमर्थन नथ गगाया ॥ ५४ ॥ १४
सम्यक् संवदाय ॥ नमः ॥ ॐ वज्र २ महावज्र महावज्र महाविजयाय
ॐ महाकर्मा महावाधिरुवज्र महावाधिरु ॥ ५४ ॥ यममज्रवज्र सर्व

मार्जितु विम्वधनीर्वज्र स्वाहा ॥ धर्मिनाया यम्या नमो व्याख्या
नमः ॥ ५५ ॥ ॐ नमो समन्तवज्रानां असमं धर्मधामनकार्यगतिं
गगानां सर्वथा ॥ ॐ खजे ४ संसृष्टं ४ वज्रं ४ च वज्रं स्वाहा ॥ ५५ ॥ नमो
॥ ५५ ॥ स्वाहा ॥ ॥ ॐ वज्रवज्रवज्रवज्रवज्र ॥ ५५ ॥ ॐ नमो रुगवज्र
सर्वदुर्गतिपात्रिस्वधरा २ सर्वपायविम्वधनदुष्टविषुद्ध सर्वकर्मा

[illegible]

॥ ॐ वज्रसूत्रादिः ॥ सनातनः ॥ ॐ मणिः २ महा मणि यस्वाहा ॥
ॐ मणि यमः ॥ ॐ वज्र महा मणि यमः ॥ ॐ नमो नमो नमो नमो
॥ थलि मरु जका न रुयि यल म म न नायाय ॥ ॐ ॥ ॐ नमो नमो
याय ॥ ॐ नमो रुग वन जय्य हान सा ग न वे वा च न वि ह ना जा य
रु थ ग ना य ॥ ॐ नमो सर्व म थ ग न ह्य ४ ज ह न ह्य स म स कं व द्वा

[illegible][illegible]

किनीयवजवक्षीयवजवेवाचनियदूँरुट् स्वाहा ॥ १॥ यकुसम्ब
न्यावजवीगासिनियाहृदयजकावा मुखधरनी ॥ ३५ ॥ ओं जादूँ
दी ॥ ओं महियसूदूँ ॥ ओं वजवावाहिवज्जडाकिनीवजवेवाचनीयदूँ ११
रुट् ॥ ॥ महाकरनवजवावाहीयोहृदय ॥ ३६ ॥ ओं घमययनम
स्वाहा ॥ ओं हविनि सर्वक्रियदूँ ॥ ॥ अग्निनीयाहृदय ॥ ३७ ॥

॥ ओं जादूँ हा स्वाहा ॥ ओं ह्रीं ह्रीं क्रीं क्रीं क्रीं स्वाहा ॥ ओं काचकायदूँ
रुट् रुट् ॥ ओं रुविश्वमाकायदूँ रुट् ॥ ३८ ॥ ओं वजवावाहिजाव्यस
सर्वदेखानह्रीं स्वाहा ॥ ३९ ॥ ओं देवीयिचूवजदूँ रुट् स्वाहा ॥ ओं वज
कलीवहवजायदूँ रुट् स्वाहा ॥ ओं जादूँ रुट् स्वाहा ॥ १० ॥ ओं धय २
धय २ मर्द २ वजवभदूँ रुट् स्वाहा ॥ ओं माधवयसू ॥ ध्व ॥ रुट्

कहिं न जिक हूं रुट् स्वाहा ॥ ओं वज्रसूर्यरुमा विधमनमनुस
मयस्व हूं जा नोकरुके हूं रुट् स्वाहा ॥ ओं ह २ हि २ वृहा रुक हूं
रुट् स्वाहा ॥ ओं हूं रुट् स्वाहा ॥ ओं जा किं स्वाहा ॥ ओं वृद्धा किनी यज्ज्जी हूं १८
॥ रुगवान् महा माया धननि ॥ ७१ ॥ ओं ज्जी २ विविक्तमाननाय हूं
रुट् स्वाहा ॥ अर्म बाजाया हृदय ॥ ज्ज हूं सम ॥ ७२ ॥ ओं वृत्ता हूं रुट् स्वाहा

कदमिभादीव्यरुग लक्ष्मदत्तजक सचंद हूं रुट् स्वाहा ॥ धर्मरुगी
याकी प्रनरावनामरु ॥ ७३ ॥ ओं गनख की प्रदीपना सउचमहाक्राधूं
रुट् ॥ हा प्रकी मरु ॥ ओं ज्जक समवव सगदचमलय हूं रुट् ॥ धर्मिं घमृषि
विनामरुवायज विनियामरु ॥ ७४ ॥ ओं ज्ज हूं छिं हूं नू २ ठी २ हूं कचद
वदहलहयदंग सर्वमानयवद हूं रुट् स्वाहा ॥ महाडकरावमरु ॥ ७५

॥ ओं नमो नमः ॥ अंबकपाणिहयगृववनूनरुंरुट ॥ अमकुवानसात्तालीवीन
पहुमंमुलजलजंमुमहानरुयाय्योपनीरुयमदू ॥ ७२ ॥ ओं हानजकि
नीअपानीजीवकिचस्वाहा ॥ ओं स्यानकात्ता ४ वयात्ता ४ खलकमानक १२
यहाःचलुंरुं ॥ ओं महानकचरुंरुट ॥ ओं वज्रमहाकावकिउविष्टान
विनायकानादूरुटस्वाहा ॥ ओं काननूयेअदूरुट ॥ ओं वा मूठिदूरुट ॥ ओं

जकिनीचंजलिनाकसिगविदवीरुंरुंरुं ॥ ओं यूरुंअरुंजीचयनूषभा
दिकसर्वसकमात्रयदूरुट ॥ ओं वसुचमचिरुहवपुनीदवीरुं ॥ ओं नमा
रुगवनभागलयरुंय २ सर्वसकमात्रयवदूरुटस्वाहा ॥ ओं महानक
जिआर्यवह ॥ ओं थोलिनिआमिलिसिलीरुं ॥ ओं धनधरुंरुं ॥ ओं वस्वाहा
॥ ओं वयवनायस्वाहा ॥ ओं जंवलजलीदायस्वाहा ॥ ओं यूरुंरुंदायस्वाहा ॥

ॐ मानीरुडाय स्वाहा ॥ ॐ क्वयराय स्वाहा ॥ ॐ संयुजामाय स्वाहा ॥ ॐ गु
कानाय स्वाहा ॥ ॐ पश्चिक्कय स्वाहा ॥ ॐ जीवीकृद्गुलिय स्वाहा ॥ ॐ हं
मादवीकावीरमहाकात्रिहंरुट् ॥ थुकिधर्मयाथदवताया मरु ॥ ॐ
ॐ नमो समरुवृद्धा नां चिरुपूयीनि ॥ थमरुविशावधनरुल ॥ ॐ न
मारुगवत्य अष्टसहस्रीकायहा यात्रमिगारु ॥ रुघथा ॥ ॐ मूनं २ महा

२०

मन्त्रधर्मकहाधर्मसमस्य नि सर्वकार्यसुत्रां मधर्मत रुघथा ॥ ॐ
हस्मी निऊय विऊय ४ धधत्रियुल्लायत्रय स्वाहा ॥ थुनिवानसा
जारुगवनिवानाथ ॥ ॐ २ ॥ ॐ नमारुगवत्य ॥ पचउर्विस नि कायहा
यात्रमिगाय ॥ रुघथा ॥ यहं युमहा युद्धयवत्रयणु सर्वरुत्रपुल्लया
सर्वहा नदकत्रयुल्लान सकललिकहि ॥ रुधरुकरु २ रुहु २ सनरुध

प्रचययन. गङ्गा २ गङ्गा निरुद्ध स्वाहा ॥ अमरुवातसा पंचविभानि
॥ ७० ॥ ॐ नमो गवतः सर्वरथ गवतः सर्वरथ जन्मन ॥ ७१ ॥ ॐ
निविद्य स्वाहा ॥ ७२ ॥ ॐ नमो गवतः सर्वरथ गवतः सर्वरथ ॥ ७३ ॥ ॐ २१
गवतः २ पात्रं गवतः पात्रं गवतः वाधि स्वाहा ॥ ७४ ॥ ॐ नमो गवतः सर्वरथ
कन्यया हायात्र मिताय ॥ ७५ ॥ ॐ नमो गवतः सर्वरथ गवतः सर्वरथ वाधि

स्वाय महास्वाय महाका नृणीकाय ॥ कथय ॥ रुहल स्वाय ॥ ७६ ॥ ॐ पवि
॥ ७७ ॥ ॐ नमो गवतः महात्रय जन्म
कथय रुहल रुहल ॥ ७८ ॥ ॐ नमो गवतः महात्रय जन्म
पायनाय ॥ ७९ ॥ ॐ नमो गवतः महात्रय जन्म
कथय रुहल रुहल ॥ ८० ॥ ॐ नमो गवतः महात्रय जन्म

ॐ नमो भगवते चंद्रमनोपुत्राय स क धर्म पाती कथय हृदय धिक् कथा गता
या इह न सम्यक् वृद्धाय ॥ ध्वजानाया य इह काया या य नात् ॥ ८७ ॥ ॐ न
मो भगवते पुहसि कवदन वजा धिक् पुह भक्त विध्वंशाय जि का सहश्रु पा २२
प्रमिताय न तथा गता या इह न सम्यक् वृद्धाय ॥ काम कृदा मा ह माया दक्ष
पाप नात् ॥ ८८ ॥ ॐ नमो भगवते नवनरिनां सम्यक् वृद्ध को हि नां ग

भत दिवानू का पुमा नी कथा गता को हि नां ॥ वृद्ध ला धिक् वा ना या
उमी ॥ ८९ ॥ ॐ नमो भगवते पुहसी कवज सम क नथा गता या इ
ह न सम्यक् वृद्धाय ॥ वनज लव क कथा स धर्म ना र का या कथा
ग क समय मा सि स्य दिखं घा न मा ना गु मा म वो व या क यि ज वि या
गु मा म या क स ग र्ह स वा गु सम सै कथा गत पति गु आ व कू ना गु

थनिपायः अकर्मया नागुः कस्य हृदयं था गतं नः सुसाक्षि स्य सं
विद्याकसाः अथाप्यरुहक मज्जि आधकाः हनं थगु कथ्या मवाः
आलमन काउः अध्वान्नी हृदयः एक चिरु या नाउः वागु यचम २३
मिगु लिङ्गु बाल स्याय अकडाः चाउरु समरुल अधः दसां कसल
पायरुयः कायः वाकः चिरुं या नागु सर्व पाय भाचयायः धकाः

उयगाललं मवीणाकः रुमहा उयग्र रुखलनः क सि सुधर्मव
क्रयं च वरुनायाय धकगु फया स्मरुमा ॥ २० ॥ थगुय रुक मरु
थीः समुद्रनाम धर्म स्वामी श्री साक रि कृत रुकि राव नं पी का
सं रुया रुल ॥ २१ ॥ ओं नमो रुगवतः चैत्राचनय रुक रुना जाय
रुथा गता या इह न सन्य कं वक्षाय ॥ ओं नमो रुगवतः समरु रुडक

अगगाया इह न सम्यक् वद्व्याय वाधिसत्वाय महासत्वाय ॥ नमः
 अ ॥ ॐ यत्री गवमूत्रवाधीनीयस्वाहा ॥ ॐ धृष्ट २ ५ २ २ ५ यमू
 अस्वाहा ॥ अ निवानसा अगुना रुकामनाय धृष्ट ॥ ॐ ॥ २४
 ॥ ॐ निर्वर्त किं बहुदमसमार्य ॥ ॐ ॥ ॥ शुभवाजस
 अवा मम इव नदियत ॥ गुरुमंगलं हवतु सर्वशक्तानं गुरुं



